मुझे खाटू में ही बस जाने दो

दरबार तेरा आया,
तब मुझे समझ आया,
कुछ भी नहीं दुनिया में,
सब कुछ हैं यहाँ माया,
मेरी तक़दीर संवर जाने दो,
मुझे खाटू में ही बस जाने दो -2
दरबार तेरा आया,
तब मुझे समझ आया।

सोचता हूँ कि बहाना कर दूँ,
दोस्तों को मैं रवाना कर दूँ,
तेरे दामन छिप के रह जाऊं,
मैं किसी को भी नज़र ना आऊं,
ज़िन्दगी भर तो यूँ ही भटका हूँ...-2
अपनी शरण में ही रहने दो,
मेरी तक़दीर संवर जाने दो,
मुझे खाटू में ही बस जाने दो.....

कभी तो आप इधर आओगे,
कभी तो मुझे नज़र आओगे,
मेरी नज़रों से बच ना पाओगे,
बिन मिले मुझसे रह ना पाओगे,
मैं सुदामा तो नहीं हूँ कान्हाँ...-2
अपने दास बन के रहने दो,
मेरी तक़दीर संवर जाने दो,
मुझे खाटू में ही बस जाने दो....

तेरे बिन अब तो रह ना पाऊंगा,
ना मिला तू तो मर ही जाऊँगा,
नटवर तू बड़ा दयालु है,
सुना है तू बड़ा कृपालु है,
मुझे पागल कहते हैं सब तो..-2
मुझे पागल ही बनके रहने दो,
मेरी तक़दीर संवर जाने दो,
मुझे खाटू में ही बस जाने दो,
दरबार तेरा आया,
तब मुझे समझ आया.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22873/title/mujhe-khatu-me-hee-bas-jaane-do

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |